

अपील आदेश संख्या :Order-In-Appeal No.: <u>AHM-EXCUS-003-APP-183-18-19</u>

दिनॉंक Date :<u>21-01-2019</u> जारी करने की तारीख Date of Issue:

श्री उमाशंकर आयुक्त (अपील) द्वारा पारित

ख

- Passed by Shri Uma Shanker Commissioner (Appeals) Ahmedabad
- ग अपर आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अहमदाबाद-III आयुक्तालय द्वारा जारी मूल आदेश :31/Ref/CEX/NK/2018-19 दिनाँक : 26-09-2018 से सुजित

14/3/2019

Arising out of Order-in-Original: **31/Ref/CEX/NK/2018-19**, Date: **26-09-2018** Issued by: Assistant Commissioner,CGST, Div:Gandhinagar, Gandhinagar Commissionerate, Ahmedabad.

ध <u>अपीलकर्ता</u> एवं प्रतिवादी का नाम एवं पता

Name & Address of the Appellant & Respondent

M/s. Clyde Bergemann Controls Pvt. Ltd

कोई व्यक्ति इस अपील आदेश से असंतोष अनुभव करता है तो वह इस आदेश के प्रति यथास्थिति नीचे बताए गए सक्षम अधिकारी को अपील या पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

I. Any person aggrieved by this Order-In-Appeal issued under the Central Excise Act 1944, may file an appeal or revision application, as the one may be against such order, to the appropriate authority in the following way :

### \भारत सरकार का पुनरीक्षण आवेदन ः

## Revision application to Government of India :

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा अंतर्गत नीचे बताए गए मामलों के बारे में पूर्वोक्त धारा को उप—धारा के प्रथम परन्तुक के अंतर्गत पुनरीक्षण आवेदन अवर सचिव, मारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली : 110001 को की जानी चाहिए।

(i) A revision application lies to the Under Secretary, to the Govt. of India, Revision Application Unit Ministry of Finance, Department of Revenue, 4<sup>th</sup> Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi - 110 001 under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid :

(ii) यदि गाल की हानि के मामले में जब ऐसी हानि कारखाने से किसी भण्डागार या अन्य कारखाने में या किसी भण्डागार से दूसरे भण्डागार में माल ले जाते हुए मार्ग में, या किसी भण्डागार या भण्डार में चाहे वह किसी कारखाने में या किसी भण्डागार में हो गाल की प्रकिया के दौरान हुई हो।

(ii) In case of any loss of goods where the loss occur in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse.

(ख) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित माल पर था गाल के विनिर्माण में उपयोग शुल्क कच्चे माल पर उत्पादन शुल्क के रिबेट के मामलें में जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित है।

(b) In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India. (ग) यदि शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर (नेपाल या भूटान को) निर्यात किया गया माल हो।

(c) In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

ध अंतिम उत्पादन की उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो डयूटी केडिट मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो इस घारा एवं नियम के मुताबिक आयुक्त, अपील के द्वारा पारित वो समय पर या बाद में वित्ता अधिनियम (नं.2) 1998 घारा 109 द्वारा नियुक्त किए भए हो।

(d) Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under and such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec.109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 के निथग 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट प्रपत्र संख्या इए–8 में दो प्रतियों गें, प्रेषित आदेश के प्रति आदेश प्रेषित दिनाँक से तीन मास के भीतर मूल–आदेश एवं अपील आदेश की दो–दो प्रतियों के साथ उचित आवेदन किया जाना चाहिए। उसके साथ खाता इ. का मुख्यशीर्ष के अंतर्गत धारा 35-इ में निर्धारित फी के भुगतान के सबूत के साथ टीआर–6 चालान की प्रति भी होनी चाहिए।

The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(2) रिविजन आवेदन के साथ जहाँ संलग्न रकम एक लाख रूपये या उससे कम हो तो रूपये 200/– फीस भुगतान की जाए और जहाँ संलग्न रकम एक लाख से ज्यादा हो तो 1000/– की फीस भुगतान की जाए।

The revision application shall be accompanied by a fee of Rs.200/- where the amount involved is Rupees One Lac or less and Rs.1,000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

सीगा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपीलः– Appeal to Custom, Excise, & Service Tax Appellate Tribunal.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35– ण्णबी / 35– इ के अंतर्गतः–

Under Section 35B/ 35E of CEA, 1944 an appeal lies to :-

उक्तलिखित परिच्छेद २ (1) क में बताए अनुसार के अलावा की अभील, अपीलो के मागले में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण <u>(सिस्टेट)</u> की पश्चिम क्षेत्रीय भीठिका, अहमदाबाद में दू**सरा मंजिल, बहुमाली** 

#### भवन, असारवा, अहमदाबाद, गूजरात 380016

To the west regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at 2<sup>nd</sup> floor, Bahumali Bhavan, Asarwa, Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para-2(i) (a) above.

(2) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 की धारा 6 के अंतर्गत प्रपन्न इ.ए.--3 में निर्धारित किए अनुसार अपीलीय न्यायाधिकरणें की गई अपील के विरुद्ध अपील किए गए आदेश की चार प्रतिथाँ सहित जहाँ उत्पाद शुल्क की गांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या उससे कम है वहां रूपए 1000/--- फीस भेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या उससे कम है वहां रूपए 5000/- फीस भेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या 50 लाख तक हो तो रूपए 5000/- फीस भेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्माना रूपए 50 लाख या उससे ज्यादा है वहां रूपए 1000/-- फीस भेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क एजिस्टार के नाम से रेखाकिंत बैंक ड्राफ्ट के रूप में संबंध की जाये। यह ड्राफ्ट उस स्थान के किसी नामित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की शाखा का हो

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 as prescribed under Rule 6 of Central Excise(Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against (one which at least should be accompanied by a fee of Rs.1,000/-, Rs.5,000/- and Rs.10,000/- where amount of duty / penalty / demand / refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asstt. Registar of a branch of any nominate public sector bank of the place where the bench of any nominate public sector bank of the Tribunal is situated

(3) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश होता है तो प्रत्येक मूल ओदश के लिए फीस का भुगतान उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए इस तथ्य के होते हुए भी कि लिखा पढी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता हैं।

In case of the order covers a number of order-in-Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lacs fee of Rs.100/- for each.

(4) न्यायालय शुल्क अधिनियम 1970 यथा संशोधित की अनुसूचि—1`के अंतर्गत निर्धारित किए अनुसार उक्त आवेदन या मूल आदेश यथास्थिति निर्णयन प्राधिकारी के आदेश में से प्रत्येक की एक प्रति पर रू.6.50 पैसे का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए।

One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjournment authority shall beer a court fee stamp of Rs.6.50 paisa as prescribed under scheduled-l item of the court fee Act, 1975 as amended.

(5) इन ओर संबंधित मामलों को नियंत्रण करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है जो सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्याविधि) नियम, 1982 में निहित है।

Attention in invited to the rules covering these and other related matter contended in the Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(6) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सीस्तेत) के प्रति अपीलों के मामलों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, १९४४ की धारा ३७फ के अंतर्गत वित्तीय(संख्या-२) अधिनियम २०१४(२०१४ की संख्या २७) दिनांक: ०६.०८.२०१४ जो की वित्तीय अधिनियम, १९९४ की धारा ८३ के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, द्वारा निश्चित की गई पूर्व-राशि जमा करना अनिवार्य है, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा की जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रूपए से अधिक न हो

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत " माँग किए गए शुल्क " में निम्न शामिल है

- (i) धारा 11 डी के अंतर्गत निर्धारित रकम
- (ii) सेनवैट जमा की ली गई गलत राशि

 $\nabla$ 

(iii) सेनवैट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम

→ आगे बशर्ते यह कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं. 2) अधिनियम, 2014 के आरम्भ से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्षविचाराधीन स्थगन अर्ज़ी एवं अपील को लागू नहीं होगे।

For an appeal to be filed before the CESTAT, it is mandatory to pre-deposit an amount specified under the Finance (No. 2) Act, 2014 (No. 25 of 2014) dated 06.08.2014, under section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under section 83 of the Finance Act, 1994 provided the amount of pre-deposit payable would be subject to ceiling of Rs. Ten Crores,

Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules.

 $\rightarrow$ Provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(6)(i) इस आदेश के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष जहाँ शुल्क अथवा शुल्क या दण्ड विवादित हो तो माँग किए

गए शुल्क के 10% भुगतान पर और जहाँ केवल दण्ड विवादित हो तब दण्ड के 10% भुगतान पर की जा सकती है।

(6)(i) In view of above, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute."

II. Any person aggrieved by an Order-in-Appeal issued under the Central Goods and Services Tax Act, 2017/Integrated Goods and Services Tax Act, 2017/Goods and Services Tax (Compensation to States) Act, 2017, may file an appeal before the appropriate authority.

----2A --

# ORDER-IN-APPEAL

M/s Clyde Bergemann Controls Pvt. Ltd., Suite # 403, 4<sup>th</sup> Floor, Imperial Heights Building, Akshar Chowk, Akota, Off O.P. Road, Vadodara, Gujarat (hereinafter referred to as 'the appellant') has filed the present appeal against the Order-in-original No. OIO/31/Ref/CEX/NK/2018-19 dated 26.09.2018 (hereinafter referred to as 'the impugned order') passed by the Assistant Commissioner, Central Excise, Division-Gandhinagar, Ahmedabad-III (hereinafter referred to as 'the adjudicating authority').

The facts of the case, in very brief, are that the appellant had filed the rebate 2. claim of Rs. 4,31,845/- under the provisions of Rule 18 of Central Excise Rules, 2002 (CER, 2002) read with Notification No. 19/2004-CE(NT) dated 06/09/2004.The subject rebate claim was rejected by the then adjudicating authority vide Order No. OIO/545/Ref/CEX/APB/2016 dated 22/04/2016 on the grounds that there was no endorsement of Customs authority in Part-B on ARE-1 No.89 dated 17/02/2015. The appellant had filed an appeal before the Commissioner (Appeals) against said OIO dated 22.04.2016. The Commissioner (Appeals) vide OIA No. AHM-EXCUS-003-APP-256-16-17 dated 28.02.2017 remanded the case back to the adjudicating authority with directions to grant the appellant appropriate opportunity to present the evidence and thereafter verify such evidence of the rebate claim and it is also directed to the sanctioning authority to verify the validity of letter dated 24.01.2017 issued by CHA. The Commissioner (Appeals), in his OIA dated 28.02.2017, has directed to the appellant to get the amendments / endorsements from Customs done in the relevant documents and produce the same before the adjudicating authority. On the basis of said OIA dated 28.02.2017, the appellant has filed the rebate claim with detailed written submission before adjudicating authority. The adjudicating authority concluded that appellant has filed the rebate claim without requisite documents and the appellant has been failed to comply with the directions of the Commissioner (Appeals) in OIA No. AHM-EXCUS-003-APP-256-16-17 dated 28.02.2017 and rejected the rebate claims vide impugned order.

3. Being aggrieved, the appellants have filed the present appeal before me. The appellant has filed the present appeal invoking the following grounds of appeal:

- It is submitted that Rebate Claim cannot be denied on the technical grounds, such as, mis-match between Container Numbers, between Shipping Bill and Bill of Lading and no endorsement by the Customs Authority, in ARE-1 No. 89 dated 17.02.2015.
- 2) The appellant has relied on the following citations in support of their argument that the primary requirement for rebate is that the goods are exported and such goods were of duty paid character:
  - MANGALORE CHEMICALS & FERTILIZERS LTD.vs DEPUTY COMMISSIONER – 1991(55)E.L.T(437)(S.C.)
  - ▶ UM CABLES LIMITED vs UOI 2013(293) E.L.T. 641(Bom.)
  - ➢ RAJ PETRO SPECIALITIES vs UOI 2017(345) E.L.T. 496 (Guj.)
  - ▶ KAIZEN PLASTOMOULD PVT. LTD. vs UOI 2015(330) E.L.T. 40(BOM.)
  - > SHREEJI COLOUR CHEM INDUSTRIES vs CCE 2009 (233) E.L.T. 369

4. Personal hearing in the matter was fixed on 12.12.2018 but the appellant requested to pass a speaking order and waive of personal hearing vide letter dated 12.12.2018.

5. I have gone through the facts of the case and submissions made in the appeal memorandum. The limited point to be decided is whether the appellant is eligible for the Rebate claim that has been rejected by the adjudicating authority in the impugned order

on the ground that the appellant has filed the rebate claim without requisite documents and the appellant has been failed to comply with the directions of the Commissioner (Appeals) in OIA No. AHM-EXCUS-003-APP-256-16-17 dated 28.02.2017. I have seen para 3 & 4 of OIO which is very clear. I have also considered findings of original authority in para 15, 16, 17 & 18 in details. I find that original authority has taken every step to verify the rebate claim in spirit of remand proceedings. The findings in para 18(a) and 18(b) along with others, leaves no scope but to reject the appeal.

6. I have carefully gone through the case laws relied on by the appellants. I find that circumstances and facts of the case are altogather different and hence not applicable in the present appeal. I find that the appellant has failed to comply with the directions of the Commissioner (Appeals) in OIA No. AHM-EXCUS-003-APP-256-16-17 dated 28.02.2017.

7. Therefore, I do not find any reason to interfere in the impugned order and in view of above discussions, I up held the impugned order passed by the adjudicating authority and reject the appeal filed by the appellant.

8. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

8. The appeal filed by the appellant stands disposed off in above terms.

3 man

केंद्रीय कर, प्रधान आयुक्त (अपील्स) Date: / /2019

<u>Attested</u>

(D.A.Parmar

Superintendent Central Tax (Appeals) Ahmedabad

BY R.P:A.D.

To, M/s Clyde Bergemann Controls Pvt. Ltd., Suite #403, 4<sup>th</sup> Floor, Imperial Heights Building, Akshar Chowk, Akota, Off O.P. Road, Vadodara.

## Copy to:

1. The Chief Commissioner of Central Tax, Ahmedabad Zone.

- 2. The Commissioner of Central Tax, Gandhinagar.
- 3. The Additional Commissioner, Central Tax (System), Gandhinagar.
- 4. The Asstt./Deputy Commissioner, CGST Division-Gandhinagar,
- 5. Guard File.
- 6. P.A. File

